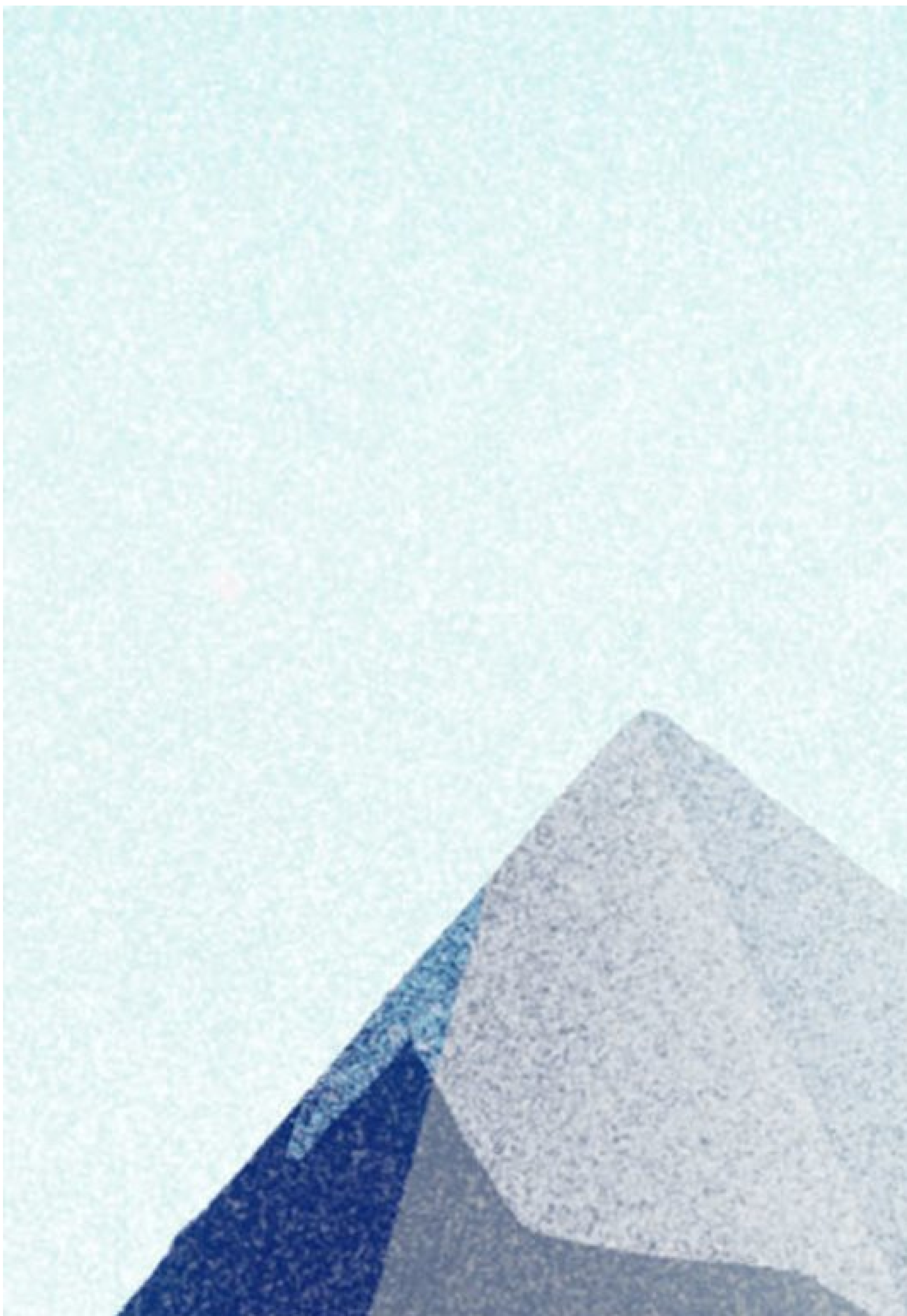


जलोदीप

Author: Gajendra Thakur
Illustrators: Arkapriya Koley, Harshul Agarwal, Joanna Davala, Palton Soren, Phạm Thu Thùy

Level 4



जलोदीप (बाल नाटक)

गजेन्द्र ठाकुर

नाटककार गजेन्द्र ठाकुरक जन्म भागलपुरमे सन् १९७१ मे भेलन्हि आ आइ काल्हि ओ दिल्लीमे रहै छथि।

जलोदीप

पात्र

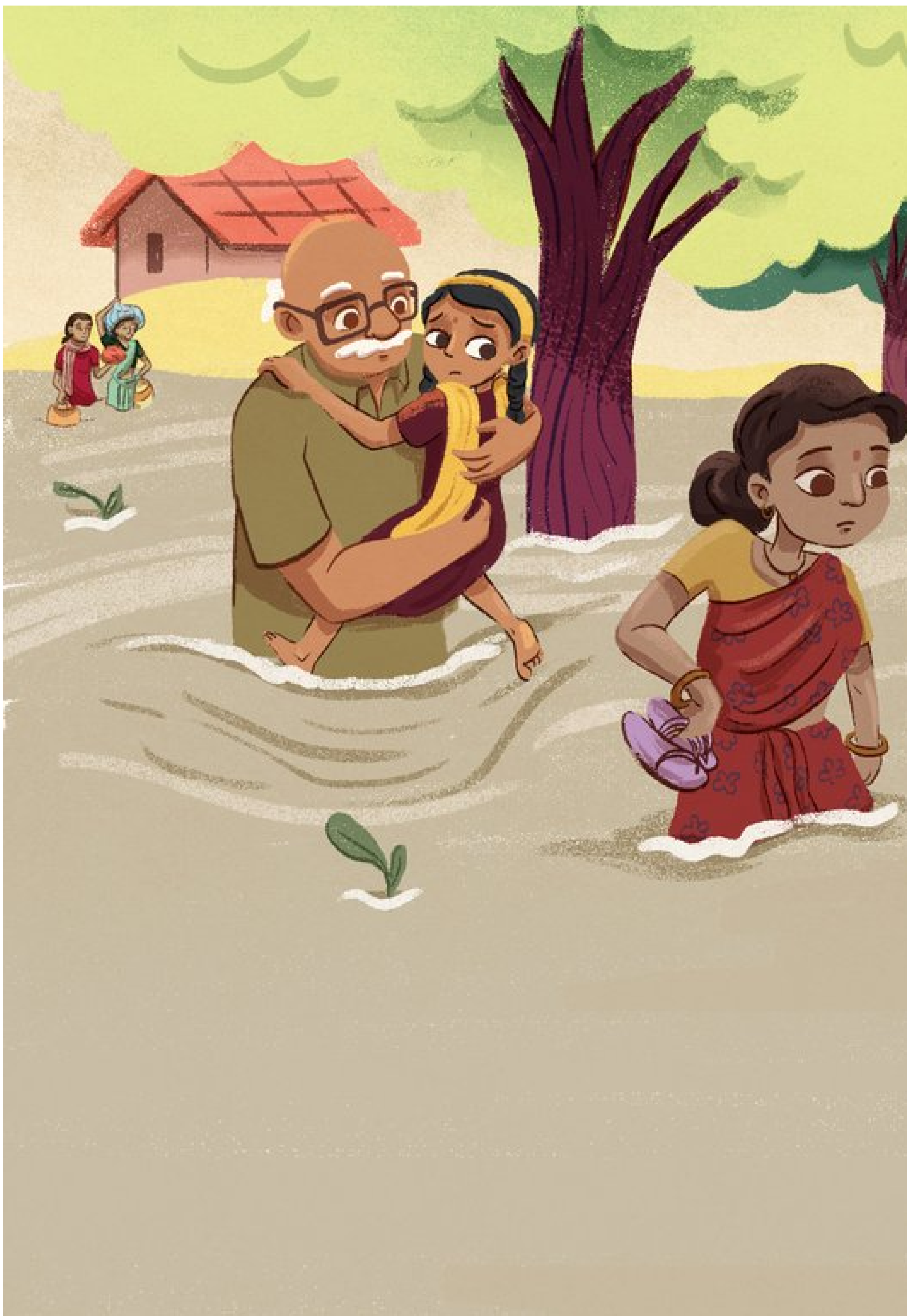
चारिटा बच्चा। बच्चा मने बच्चा, बौआ आकि बुच्ची।
तीनटा लोक। लोक माने लोक, पुरुष आकि स्त्री।
भीड़। भीड़ माने भीड़, महिला वा पुरुख।

पूर्वदृश्य

(चारू कात जलामय। लोक सभ मंचपर थहाथही कऽ रहल छथि, पानि..बाढ़ि..आदि शब्दसँ चारूकात जलामय हेबाक अनुभव सभ कऽ रहल छथि। एकटा बच्चा कोहुना कऽ बाढ़िसँ बाहर निकलैत मंच दिस नीचाँसँ हाथ बढ़बैत अछि। लोक सभ ओकरा दिस दौगल अबैत अछि।

बच्चा: न। हम तँ ठीके छी। मुदा हम्मर...

(मंचपर अन्हार पसरि जाइत अछि।)



दृश्य १

(छहर दिससँ लोक सभ आबि रहल अछि। मंचक पाछाँक भागमे ऊँच स्थल बना कऽ ई प्रभाव उत्पन्न कएल जा सकैत अछि। अनघोल भेल अछि।)

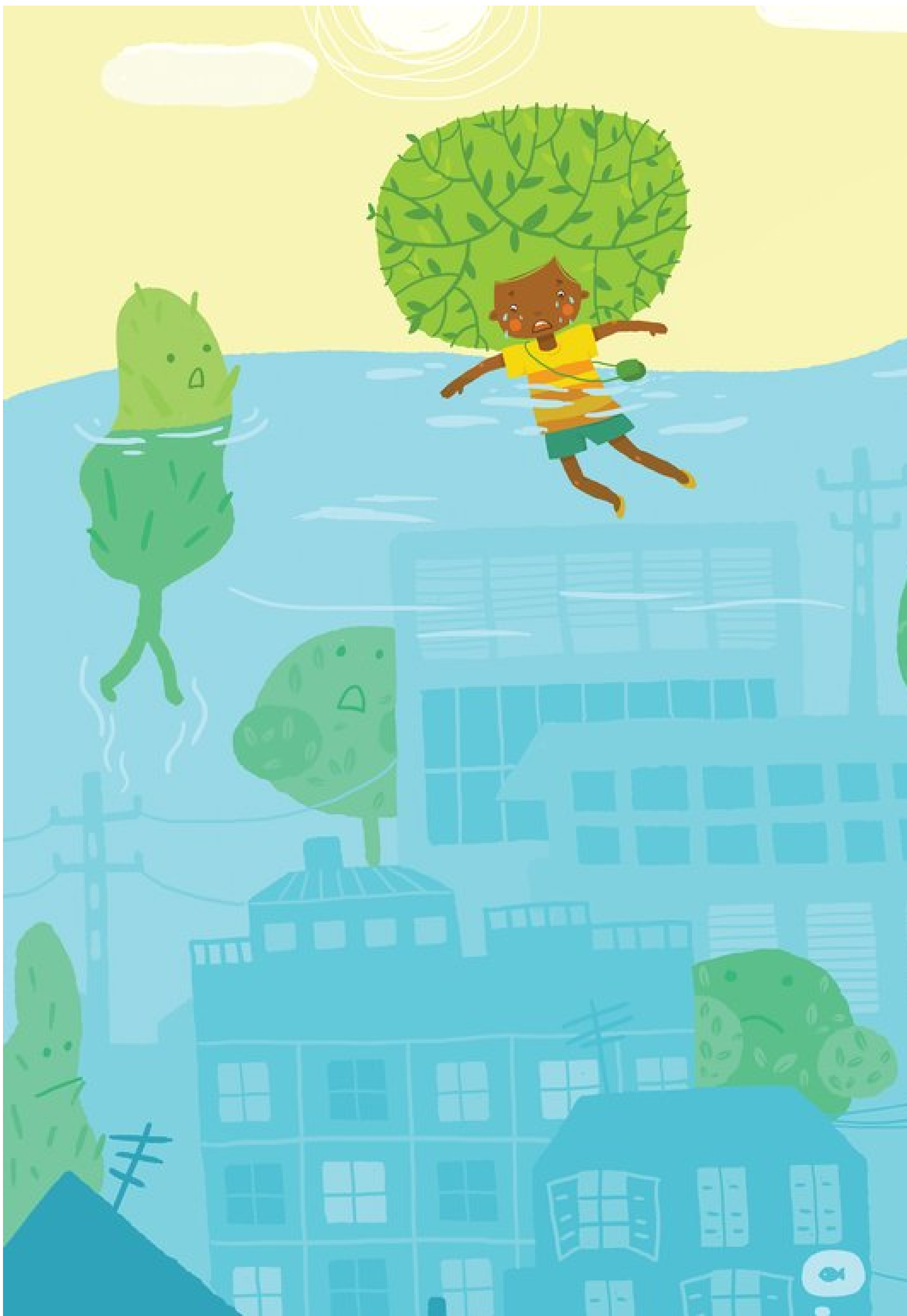
पहिल लोक: हे बाइस फीट पानि आबि रहल अछि। घण्टा भरिमे सभटा डूमि जाएत। चौकीपर चौकी गेटह। बड़का-बच्चाक छतपर बच्चा सभकेँ दऽ आबह।
दोसर लोक: बाइस फीट तँ नै मुदा हिलकोरक अबाज अबैत सुनने आ देखने रहिऐ। झझा देलकै, छहरक ऊपरसँ पानि खसलै। झंझारपुर दिसुका बान्हपर जोर रहै। मुदा मारवाड़ी सभ झंझारपुर दिसुका पुबरिया बान्ह बचेबाक लेल सुनै छिऐ जे अप्पन सभक दिसुका पछबरिया बान्ह तोड़बा देलकै।
पहिल लोक: सुनै छिऐ से सत्य नहियो भऽ सकै छै। आ एतेक टा बान्ह कोना तोड़ल हेतै।



तेसर लोक: से की कहै छी। गोपलखाक सोझाँमे दू छह मात्र मारबाक देरी रहै।पानिक जोर तँ अहू दिस रहै। भने ओतइ टुटलै। अपना गामक सोझाँ जे टुटितै तँ गामे भँसि जइतै।

दोसर लोक: आब से बहस करबाक समए नै अछि। अपन-अपन होस धरै जाउ। पहिने बच्चा सभकेँ बचाउ।

(अन्हार पसरि जाइए।)



दृश्य २

(चौकीपर चौकी गेटल अछि। ओइपर चारिटा बच्चा बैसल अछि। तीनटा बच्चा खेला रहल अछि, एक दोसराक हाथपर थोपड़ी पाड़ि रहल अछि मुदा चारिम बच्चा, जे नाटकक प्रारम्भमे आएल छल, गुमकी लाधने चौकीक एक कोनमे बैसल अछि। अचानके ओहो तीनू बच्चा खेल बन्न कऽ दैत अछि आ चारिम बच्चा दिस साकांक्ष होइत अछि।)

पहिल बच्चा: (चारिम बच्चासँ) एना किए मुँह बिधुऔने छँह। आ, खेलाइ छी सभ।

दोसर बच्चा: हइ, नै कहीं किछु। बेचारोक घरमे सभ बाढ़िमे दहा गेल छै।

तेसर बच्चा: मुदा घर तँ ठीके छै।

दोसर बच्चा: कोठाक घर छै, तैँ नै टुटलै।



पहिल बच्चा: आब जे भेलै से भेलै, आबि जो। (ओ उठि कऽ जाइए आ ओकरा हाथ पकड़ि कऽ आनैए। पहिल, दोसर आ तेसर बच्चा ओकरा घेर कऽ बैस जाइए।)

पहिल, दोसर आ तेसर बच्चा (समवेत स्वरमे): दुख बिसरबा लेल खेल खेलेनाइ बड्ड जरूरी छै। आइ तोरे मोनसँ हेतै खेल। कह कोन खेल खेलाइ। जे भेलै से भगवानक लिखल।

चारिम बच्चा: नै, भगवानक लिखल नै। लोकक लिखल। हमर बाबू कहैत रहथि, सभटा छिऐ मनुक्खक खेल। खेलेमे ओ खेल जे हम खेलाए चाहै छी।

पहिल, दोसर आ तेसर बच्चा: हँ, से तँ ठीके। जे खेल खेलाए चाहमे से हम सभ खेलाएब।

चारिम बच्चा: ठीक छै, तँ खेल खेलाइ छी पहाड़क।

तेसर बच्चा: मुदा पहाड़ तँ ऐ इलाकामे छैहे नै।

चारिम बच्चा: कोना नै छै। ओ बान्ह सभ जे बान्हल छै से की छिऐ।



Story Attribution:

This story: जलोदीप is written by Gajendra Thakur . © Gajendra Thakur , 2022. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Cover page: Girl trapped in a flood, by Phạm Thu Thùy © Room to Read, 2013. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Flood, by Joanna Davala © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl trapped in a flood, by Phạm Thu Thùy © Room to Read, 2013. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: People walking through water during a flood, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl standing on stool during flood, by Arkapriya Koley © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Girl trapped in a flood, by Phạm Thu Thùy © Room to Read, 2013. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Two boys in a river in the rain, by Palton Soren © StoryWeaver, 2015. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: flood, by Harshul Agarwal © Harshul Agarwal, 2022. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: A flooded city, by Phạm Thu Thùy © Room to Read, 2013. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

जलोदीप

(Maithili)

गोपलखाक सोझाँमे दू छह मात्र मारबाक देरी रहै।पानिक जोर तँ अहू दिस रहै। भने ओतइ टुटलै। अपना गामक सोझाँ जे टुटितै तँ गामे भँसि जइतै।....

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.

